९. चुनिंदा शेर

– कैलाश सेंगर

कवि परिचय : कैलाश सेंगर जी का जन्म १६ फरवरी १९५४ को महाराष्ट्र के नागपुर में हुआ । सहज-सरल हिंदुस्तानी भाषा में लिखी आपकी रचनाएँ सामान्य आदमी की जिंदगी में घुली वेदना, प्रश्न, भावना और उसकी धड़कन को व्यक्त करती हैं । काव्य में किए जाने वाले मौलिक प्रयोगों और कथ्य के तीखेपन के कारण कैलाश सेंगर आज के गजलकारों में महत्त्वपूर्ण और लोकप्रिय नाम है । गजलों के अलावा गीत, कविता, कहानी, नाटक आदि विधाओं में आप लेखन करते हैं । पत्रकारिता के क्षेत्र में भी आपका उल्लेखनीय योगदान है । हिंदी के साथ-साथ मराठी भाषा पर भी आपका प्रभुत्व है । आपके लेख में प्रस्तुत विचार सोचने को बाध्य करते हैं । आपकी साहित्यिक भाषा पाठकों के मन-बुद्धि को झकझोरकर रख देती है ।

प्रमुख कृतियाँ : 'सूरज तुम्हारा है' (गजल संग्रह), 'यहाँ आदमी नहीं, जूते भी चलते हैं', 'सुबह होने का इंतजार' (कहानी संग्रह), 'अभी रात बाकी है' (अनूदित साहित्य) आदि ।

विधा परिचय : उर्दू कविता का लोकप्रिय प्रकार गजल है जिसे गढ़ने में शेरों की अहम भूमिका होती है । गजल की लोकप्रियता के फलस्वरूप इसे हिंदी ने भी अपना लिया है । गजल हिंदी में आते-आते रूमानी भावभूमि से हटकर यथार्थ की जमीन पर खड़ी हो गई है । इन शेरों द्‌वारा हिंदी गजलों ने अपनी अभिव्यक्ति शैली के बल पर लोकप्रियता प्राप्त की है ।

पाठ परिचय : प्रस्तुत शेरों में सामाजिक अव्यवस्था और विडंबना के विभिन्न चित्र शब्दों के माध्यम से व्यक्त किए गए हैं । इस सामाजिक अव्यवस्था में आम आदमी की अनसुनी कराहें इन शेरों के माध्यम से कवि हम तक पहुँचाने का प्रयास करता है । विवशताओं के कारण आम आदमी अपनी पीड़ा अभिव्यक्त करने में स्वयं को असमर्थ पाता है, ये शेर उन्हीं विवशताओं को व्यक्त करने का माध्यम बन जाते हैं । मनुष्य की इस विवशता को और उसे समाप्त करने के प्रयासों को कवि ने वाणी प्रदान की है ।

गजलों से खुशबू बिखराना हमको आता है ।
चट्‌टानों पर फूल खिलाना हमको आता है ।

× ×　　× ×

परिंदों को शिकायत है, कभी तो सुन मेरे मालिक ।
तेरे दानों में भी शायद, लगा है घुन मेरे मालिक ।

× ×　　× ×

हम जिंदगी के चंद सवालों में खो गए ।
सारे जवाब उनके उजालों में खो गए ।

× ×　　× ×

चट्‌टानी रातों को जुगनू से वह सँवारा करती है ।
बरसों से इक सुबह हमारा नाम पुकारा करती है ।

× ×　　× ×

वह आसमाँ पे रोज एक ख्वाब लिखता था ।
उसे पता न था वह इन्कलाब लिखता था ।

× ×　　× ×

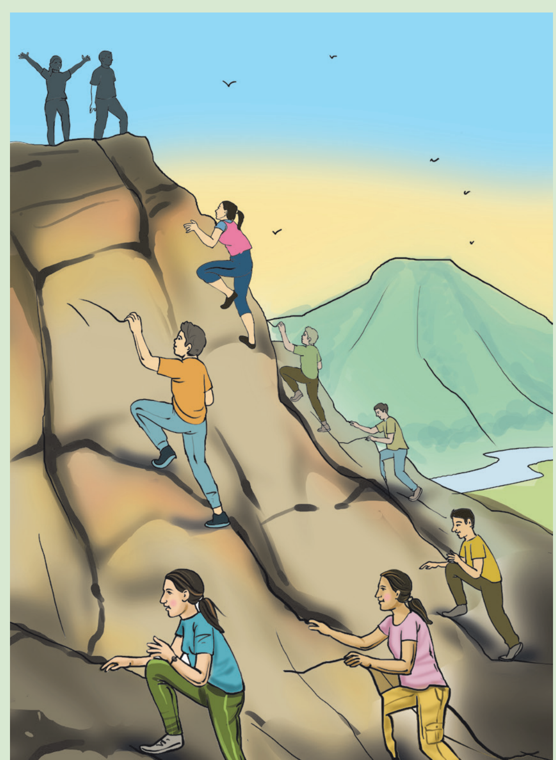

हँसी से अपने आँसुओं को छुपाकर देखो ।
नया मुखौटा ये चेहरे पे लगाकर देखो ।

× ×   × ×

वह फकीरों की दुआओं में असर देता है ।
आँख से इत्र बाँटने का हुनर देता है ।

× ×   × ×

इसमें लाशें भी मिला करती हैं, तुम जरा देख-भाल तो लेते,
इसको माँ कह के पूजनेवालो, इस नदी को खँगाल तो लेते ।

× ×   × ×

जब भी पानी किसी के सर से गुजर जाएगा ।
तब वह सीने में नई आग ही लगाएगा ।

× ×   × ×

आँखों में बहुत बाढ़ है, शेष सब कुशल ।
जीवन नहीं अषाढ़ है, फिर शेष सब कुशल ।

× ×   × ×

सड़क ने जब मेरे पैरों की उँगलियाँ देखीं;
कड़कती धूप में सीने पे बिजलियाँ देखीं ।

× ×   × ×

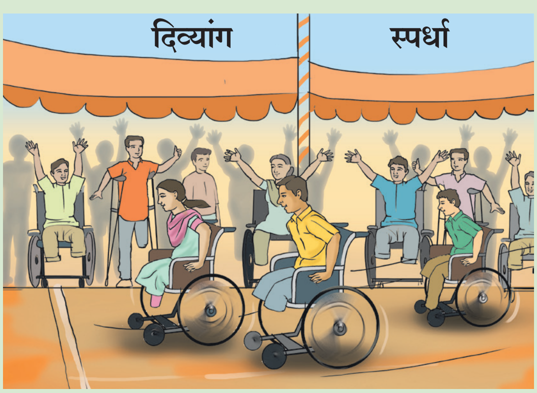

साँस हमारी हमें पराये धन-सी लगती है,
साहुकार के घर गिरवी कंगन-सी लगती है ।

× ×   × ×

किसी का सर खुला है तो किसी के पाँव बाहर हैं,
जरा ढंग से तू अपनी चादरों को बुन मेरे मालिक ।

× ×   × ×

वह जो मजदूर मरा है, वह निरक्षर था मगर,
अपने भीतर वह रोज, इक किताब लिखता था ।

– ('सूरज तुम्हारा है' गजल संग्रह से)

o

टिप्पणी

- **घुन** = एक कीड़ा जो अनाज को खाकर खोखला बनाता है ।

मुहावरे

चट्टानों पर फूल खिलाना = कड़ी मेहनत से खुशहाली पाना
सिर से पानी गुजर जाना = कष्ट या संकट का पराकाष्ठा तक पहुँच जाना, संयम अथवा सहने की सीमा समाप्त होना

आकलन

१. (अ) लिखिए :

(१) परिंदों को यह शिकायत है – ....

(२) नदी के प्रति उत्तरदायित्व – (१) ....

(२) ....

(आ) परिणाम लिखिए :

(१) पानी सर से गुजर जाएगा तो – ....

(२) कवि जिंदगी के सवालों में खो गए – ....

शब्द संपदा

२. पाठ में आए चार उर्दू शब्द और उनके हिंदी अर्थ :

.... = ...

.... = ...

.... = ...

.... = ...

अभिव्यक्ति

३. (अ) 'आकाश के तारे तोड़ लाना', इस मुहावरे को स्पष्ट कीजिए ।

(आ) 'क्रांति कभी भी अपने–आप नहीं आती; वह लाई जाती है', इस कथन पर अपने विचार लिखिए ।

रसास्वादन

४. (अ) कवि की भावुकता और संवेदनशीलता को समझते हुए 'चुनिंदा शेर' का रसास्वादन कीजिए ।

साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान

५. (अ) कैलाश सेंगर जी की प्रसिद्ध रचनाओं के नाम – ....

(आ) गजल इस भाषा का लोकप्रिय काव्य प्रकार है – ....

६. **कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए :**

(१) एक-एक क्षण आपको भेंट कर देता हूँ । (सामान्य भविष्यकाल)

....

(२) बैजू का लहू सूख गया है । (सामान्य भूतकाल)

....

(३) मन बहुत दुखी हुआ था । (अपूर्ण भूतकाल)

....

(४) पढ़-लिखकर नौकरी करने लगा । (पूर्ण भूतकाल)

....

(५) यात्रा की तिथि भी आ गई । (सामान्य वर्तमानकाल)

....

(६) मैं पता लगाकर आता हूँ । (सामान्य भविष्यकाल)

....

(७) गर्ग साहब ने अपने वचन का पालन किया । (सामान्य भविष्यकाल)

....

(८) मौसी कुछ नहीं बोल रही थी । (अपूर्ण वर्तमानकाल)

....

(९) सुधारक आते हैं । (पूर्ण भूतकाल)

....

(१०) प्रकाश उसमें समा जाता है । (सामान्य भूतकाल)

....